

शोभा कही ना जाए हे मईया शेरोंवाली

शोभा कही ना जाए

धुन- कवाली

(तेरी, छवि है प्यारी, मेरी मईया शेरोंवाली ।
तेरे दर पे, आए जो सवाली,
मुड़ता नहीं, वो खाली ।
जो रखते तेरे पे, विश्वास हैं माँ,
तूँ पूरी करती, उनकी आस है माँ ।
दुनिया के, भटके लोगों की,
तेरे दर पे बुझती, प्यास है माँ ॥)

शोभा कही ना जाए, हे मईया शेरोंवाली ॥
तूँ जग से है निराली, हे मईया मेहरोंवाली ॥
शोभा कही ना जाए...

सर पे सजी है चुनरी, भत्तों पे करती छाया ॥
तेरी मांग में है टीका, सारे जग को है लुभाया ॥
तेरे केश काले बादल ॥ दुष्टों पे घटा काली ॥
शोभा कही ना जाए...

माथे की तेरी बिंदीआ, सूरज को है नचाती ॥
तेरे कानों में है बाली, चंदा को है रिझाती ॥
तेरे नाक में है नथनी ॥ वो है भाग्यशाली ॥
शोभा कही ना जाए...

तेरा मुखड़ा है सलोना, जग में उजाला करता ॥
ममता से मुस्कुराना, सब को प्रसन्न करता ॥
दीवाना कर दिया है ॥ सूरत है भोली भाली ॥
शोभा कही ना जाए...

साढ़ी का रंग गूढ़ा, भत्तों पे चढ़ गया है ॥
ये लाल लाल चूड़ा, बाहों में चढ़ गया है ॥
हाथों पे लगी मेहंदी ॥ छाई है लाली लाली ॥
शोभा कही ना जाए...

पांवों की तेरी पायल, सुर मीठे घोल जाती ॥
वो प्यारी छोटी बिछीया, चुपके से बोल जाती ॥
मुझसे से अलग नहीं है ॥ हृदय में रहने वाली ॥
शोभा कही ना जाए...

हे सिंहवाहिनी दुर्गे, सजी अस्त्र शस्त्र धारे ॥

इक हाथ में कमल है, शंख दूजे में विराजे ॥
माँ बरदानि हस्त तेरा ॥ आशीष देने वाली ॥
शोभा कही ना जाए...
अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

श्लोका कही ना जाये

=====

पुन- कवाली

(तेरी छवी है पिआरी,
मेरी मदीआ शेरों वाली ।
तेरे दर पे, आये जे सवाली,
मुझुता नही, वेह खाली ।
जे रंखते, तेरे पे विसवास है मां,
तुं करती पुरी, उन की आस है मां ।
दुनीआं के, भटके लेंगों की,
तेरे, दर पे बुझती, पिआस है मां ॥)

श्लोका, कही ना जाये, हे मदीआ शेरों वाली ॥
तुं, जंग से है निराली, हे मदीआ शेरों वाली ॥
श्लोका, कही ना जाये...

सर पे सजी है चुनरी, भक्तों पे करती छाया ॥
तेरी मांग में है टीका, सारे जग के है लुभाया ॥
तेरे केश, काले बादल ॥ दुसरे पे, षटा काली ॥
श्लोका, कही ना जाये...

माथे पे तेरी बिंदीआं, सुरज के है नचाती ॥
तेरे काने की है बाली, चंदा के है रिझाती ॥
तेरे नाक में, है नंभनी ॥ वेह है, भारिआसाली ॥
श्लोका, कही ना जाये...

तेरा मुँखड़ा है सलेना, जंग में उजाला करता ॥
ममता से मुसकराना, सब के पसून करता ॥
दीवाना, कर दीआ ॥ सुरत है, भेड़ी भाली ॥
श्लोका, कही ना जाये...

साझी का रंग गुझा, भक्तों पे चहुँ गिआ है ॥
जेह लाल लाल चुझा, बाँहों में चहुँ गिआ है ॥
हाथ पे, लगी महिंदी ॥ छापी है, लाली लाली ॥
श्लोका, कही ना जाये...

पावें की तेरी पाइल, सुर मीठे खोलु जाती ॥
वेह पिआरी छेटी बिछीआ, चुपके से बोल जाती ॥
मुझ से, अलंग नही है ॥ हिरदे में, रहिटे वाली ॥

ਸ਼ੋਭਾ, ਕਹੀ ਨਾ ਜਾਏ...

ਹੇ ਸਿੰਹ ਵਾਹਿਣੀ ਦੁਰਗੇ, ਸਜੀ ਅਸਤ੍ਰ ਸ਼ਸਤਰ ਧਾਰੇ ॥
ਏਕ ਹਾਥ ਮੇਂ ਕਮਲ ਹੈ, ਸ਼ੰਖ ਦੂਜੇ ਮੇਂ ਵਿਰਾਜੇ ॥
ਮਾਂ ਵਰਦਾਨੀ, ਹਸਤ ਤੇਰਾ ॥ ਆਸ਼ੀਸ਼, ਦੇਣੇ ਵਾਲੀ ॥
ਸ਼ੋਭਾ, ਕਹੀ ਨਾ ਜਾਏ...

ਅਪਲੋਡਰ- ਅਨਿਲਰਾਮੂਰਤੀਭੋਪਾਲ

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33310/title/shobha-kahi-na-jaaye-he-maiya-sheronwali>

ਅਪਨੇ Android ਮੋਬਾਇਲ ਪਰ [BhajanGanga](#) App ਡਾਊਨਲੋਡ ਕਰੋਂ ਔਰ ਭਜਨੋਂ ਕਾ ਆਨੰਦ ਲੇ |